राजकुमार जैन राजन

सर्दी का मौसम आया

गरमी ने तो खूब लिए मजे
अब सर्दी का मौसम आया
कोट, स्वेटर, जर्सी, टोपों का
अब रंग हर तरफ़ है छाया।

मूंगफली और पकौड़ों की
फिर से मन- मस्ती छाएगी
सूखे मेवों की बहार होगी
कसरत भी हो ही जाएगी।

चाय की चुस्कियों के संग
घरों में कैद कर देगी सर्दी
निर्धन जो हो मित्र तुम्हारे
उनको भी दिलवा देना वर्दी।

सूरज भैया ठंडे पड़ जाएंगे
धूप भी नजर नही आएगी
पर हिम्मत यदि रखोगे सब
सर्दी भी छू मंतर हो जाएगी।

गौरैया से करें प्यार

एक पेड़ पर गौरैया चार
उड़ती रहती पंख पसार
किट, पतंगे, अन्न खाती
यही इनका जीवन आधार।

चीं चीं चीं चीं करती रहती
कभी बैठती फिर उड़ जाती
मुन्नी दौड़ती उसके पीछे पर
वह तनिक हाथ ना आती।

उधम मचाती गाना गाती
आपस में भी वे हैं लड़ती
सुंदर प्यारा उनका रूप
ठुमक- ठुमक कर है चलती।

गौरैया घर- आंगन की शान
जीना इनका भी अधिकार
एक पेड़ पर गौरैया चार
हम सब इनसे करें प्यार।